मंडपम के आस पास तारली (नल्लामत्ती) की प्रलाभी मात्स्यिकी

पम्बान, कुन्डकल और रामेश्वरम के समुद्र तटों से तट संपाशों के ज़रिए तारली (*सारिडिनेला लोंगिसेप्स*) की असाधारण पकड जनवरी 1990 के पहले हफ्ते मिली। जनवरी 2 को कुन्डकल में प्रचालित तट संपाश (मारुक्कुवले) के एक ही एकक की प्राक्कलित पकड लगभग 10 मीटरी टन थी। कुन्डकल और पुनगमापाड के बीच 15 तट संपाश एककों का प्रचालन किया था। हर एक एकक दो से तीन मीटर टन तारली लायी थी। इसके अलावा रामेश्वरम में प्रचालित आनायकों के ज़रिए छोटी मात्रा में पकड प्राप्त हुई थी।

तारली

तट संपाशों से पकडी गयी तारली 12 से 18 से. मी तक रेंच की थी। लेकिन अधिकांश 14-16 से. मी के बीच की थी। आनायकों से पकडी गई मछली सापेक्षिक रूप से बडी थी, याने उनकी रेंच 17-20 से.मी.थी। यह भी देखा गया कि आनायकों के ज़रिए पकडे गये नमूने में कुछ कृश थे।

इस मौसम के दौरान साधारणतया तारली की पकड स्वाभाविक है, फिर भी चालू मौसम मे इस मात्स्यिकी का परिणाम काफी ऊँचा था। इस प्रसंग में उल्लेखनीय बात यह है कि जनवरी 1990 के पहले हफ्ते में यहाँ असाधारण बारिश हुआ था।

मुख्य शब्द/Keywords

नल्लामत्ती - oil sardine
नौ संपाश - boat seine
तट संपाश - shore seine

रिपोर्टर

केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान केन्द्र, मंडपम क्षेत्रीय केंद्र, तमिलनाटु